

भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 527
दिनांक 28 नवंबर, 2024

पेट्रोल में इथेनॉल सम्मिश्रण

†527. श्री अनूप संजय धोत्रे:

श्रीमती बिजुली कलिता मेधी:
श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल:
श्री दिनेशभाई मकवाणा:
श्री विनोद लखमशी चावड़ा:
श्री मनीष जायसवाल:
श्री जनार्दन मिश्रा:
श्री परषोत्तमभाई रुपाला:
श्रीमती कमलजीत सहरावत:
श्री नव चरण माझी:
श्री खगेन मुर्मु:

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) पेट्रोल में इथेनॉल सम्मिश्रण को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;
- (ख) क्या इथेनॉल सम्मिश्रण आयातित तेल पर निर्भरता को कम करने और पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने में योगदान देता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) विगत दस वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान इथेनॉल-सम्मिश्रित पेट्रोल की आपूर्ति में कुल कितनी वृद्धि हुई है; और
- (घ) भारत में विकसित इथेनॉल उत्पादन मशीन कमीशनिंग प्रौद्योगिकी का ब्यौरा और प्रमुख विशेषताएं क्या हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क)से (ग): वर्ष 2014 से सरकार एथेनॉल मिश्रण लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अनेक उपाय कर रही है जिनमें एथेनॉल के उत्पादन हेतु फीड स्टॉक का विस्तार, एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत गन्ना आधारित एथेनॉल की अधिप्राप्ति के लिए प्रशासित मूल्य तंत्र, ईबीपी कार्यक्रम के लिए एथेनॉल पर जीएसटी दर को घटाकर 5% करना, एथेनॉल उत्पादन के लिए विभिन्न एथेनॉल ब्याज इमदाद योजनाओं (ईआईएस)

की शुरुआत, वर्ष 2018-22 के दौरान तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) द्वारा अनाज के साथ-साथ शीरे से एथेनॉल के उत्पादन के लिए और समर्पित एथेनॉल संयंत्रों (डीईपी) आदि के साथ दीर्घकालिक उठान समझौते (एलटीओए) आदि शामिल हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की ओएमसीज के लिए एथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2013-14 के दौरान एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की आपूर्ति 2506 करोड़ लीटर से बढ़कर एथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2023-24 के दौरान अनुमानित 4828 करोड़ लीटर हो गई, तदनुसार मिश्रण प्रतिशतता: 1.53% से बढ़कर 14.60% हो गई। सार्वजनिक क्षेत्र की ओएमसीज द्वारा पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण के परिणामस्वरूप विगत दस वर्षों के दौरान लगभग 185 एलएमटी (लाख मीट्रिक टन) कच्चे तेल का प्रतिस्थापन हुआ है और शुद्ध कार्बन डाईऑक्साइड में लगभग 557 लाख मीट्रिक टन की कमी आई है।

(घ): भारत में, प्रथम पीढ़ी (1जी) एथेनॉल उत्पादन प्रौद्योगिकी अच्छी तरह से स्थापित है, जिसके दो प्राथमिक मार्ग हैं: स्टार्च-से-एथेनॉल और चीनी-से-एथेनॉल। 1जी एथेनॉल उत्पादन के लिए आवश्यक प्राथमिक उपकरण जिसमें मिलर, किण्वक, आसवन/निर्जलीकरण कॉलम, बॉयलर आदि शामिल हैं जो देश के भीतर विभिन्न उपकरण विनिर्माण कंपनियों द्वारा विनिर्मित किए जाते हैं।

कृषि और वानिकी अवशेष मार्गों से उत्पादित द्वितीय पीढ़ी (2जी) एथेनॉल के लिए, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने अपनी स्वदेशी 2जी एथेनॉल प्रौद्योगिकी विकसित की है। 2जी एथेनॉल उत्पादन के लिए प्राथमिक उपकरण जिसमें श्रेडर, वेट वांशर, प्री-ट्रीटमेंट यूनिट, एंजाइमेटिक हाइड्रोलिसिस यूनिट, किण्वक, सह-किण्वक, आसवन/निर्जलीकरण कॉलम, बॉयलर आदि शामिल हैं, का विनिर्माण भी देश के भीतर विभिन्न उपकरण विनिर्माण कंपनियों द्वारा किया जाता है।
